Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 27 ◘ अंक- 249 ◘ रायपुर, मंगलवार 1 अक्टूबर 2024 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया ● रायपुर ● बिलासपुर ● जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

शराब घोटाला: हाई कोर्ट ने खारिज की त्रिपाठी और ढिल्लन की जमानत

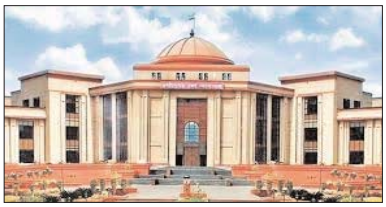

बिलासपुर, 1 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। हाई कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में आरोपी अरुणपति त्रिपाठी और त्रिलोक सिंह ढिल्लन की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है. आरोपियों ने ईओडब्लू के द्वारा शराब घोटाला मामले में दर्ज एफआइआर को लेकर जमानत याचिका दायर थी, जिस पर जस्टिस अरविंद वर्मा की कोर्ट में सुनवाई हुई, दोनों पक्षों को सुनने के बाद बीते माह हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर ऑर्डर जारी किया गया है।

दरअसल, ईडी ने शराब घोटाले मामले में मई 2023 में आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और शराब वितरण कंपनी सीएसएमसीएल के पूर्व एमडी अरुण पति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया था. पूछताछ कर ईडी की विशेष अदालत ने जेल भेज दिया था. उन्होंने विशेष अदालत में जमानत अर्जी लगाई, जहां अर्जी खारिज होने पर हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई. हाईकोर्ट ने पहली बार जमानत खारिज कर दिया, लेकिन दूसरी बार में बेल दे दिया था।

इसी दौरान ईओडब्लयू ने शराब घोटाले और नकली होलोग्राम पर केस दर्ज कर जांच शुरू की, जिसके तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई. ईओडब्लयू की गिरफ्तारी के बाद एपी त्रिपाठी और कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन ने हाईकोर्ट में अलग अलग जमानत अर्जी लगाई. याचिकाकर्ताओं ने ईडी और एसीबी की कार्रवाई को झूठा बताते हुए कहा, कि इस केस में उन्हें पहले से बेल मिल गई है. अब उसी केस पर ईओडब्लयू ने दूसरी एफआईआर किया है, जो अवैधानिक है। मामले में सुनवाई के दौरान जमानत याचिका का विरोध करते हुए कोर्ट में तर्क दिया गया था, कि यह गंभीर आर्थिक अपराध है, राज्य के साथ सीधा छल है. सरकारी रेवेन्यू सरकार के खज़ाने में जमा होने के बजाय सिंडिकेट की जेब में गया, यह एक संगठित अपराध गिरोह है।

अभिनेता गोविंदा के साथ बड़ा हादसा

गलती से लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। अभिनेता गोविंदा के साथ आज मंगलवार सुबह हादसा हो गया। वे सुबह कोलकाता के लिए रवाना हो रहे थे। इस दौरान वे अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर को केस में रख रहे थे कि अचानक रिवॉल्वर जमीन पर गिर गई और मिसफायर हुआ। इस दौरान अभिनेता के पैर में गोली लग गई। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बुलट निकाल दी है और गोविंदा खतरे से बाहर हैं। हादसे के बाद खुद गोविंदा ने बयान जारी किया है और प्रशंसकों व डॉक्टरों का आभार जताया है।

खतरे से बाहर

डॉक्टरों एवं फैंस का जताया आभार

गोविंदा ने हादसे के बाद अस्पताल से बयान जारी कर कहा है, ‘नमस्कार, प्रणाम, मैं हूं गोविंदा। आप सभी का आशीर्वाद और बाबा का आशीर्वाद। गोली लगी थी। लेकिन, गुरू की कृपा से गोली निकाल दी गई है। मैं धन्यवाद देता हूं यहां के डॉक्टरों का। आप सभी की प्रार्थनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद व आभार। सूत्रों के मुताबिक जिस वक्त गोविंदा के साथ यह हादसा हुआ उनकी पत्नी सुनीता घर पर मौजूद नहीं थीं। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा के मुताबिक अभिनेता सुबह कोलकाता के लिए रवाना हो रहे थे। शशि सिन्हा उस वक्त एयरोपोर्ट पर थे। गोविंदा ने उनसे कहा- आप बोर्डिंग कराओ, हम भी पहुंच रहे हैं। गोविंदा जिस वक्त घर से निकल रहे थे अचानक रिवॉल्वर उनके हाथ से फिसल गई और मिसफायर हुआ। गोली उनके पैर में लग गई। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा के मुताबिक जमीन पर रिवॉल्वर गिरने से मिस फायर हुआ। गोविंदा अब खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने गोविंदा की लाइसेंसी रिवॉल्वर को जब्त कर लिया है। अभिनेता के परिजन सहित अन्य लोगों के बयान इस मामले में दर्ज होंगे। फिलहाल किसी को गोविंदा से मिलने की इजाजत नहीं है। उनका उपचार आईसीयू में चल रहा है। हादसे के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम अस्पताल गई।

ब्रेकिंग न्यूज

-झांसी में टला बड़ा रेल हादसा, टूटी पटरियों पर दौड़ी केरला एक्सप्रेस, यात्रियों की अटक गई सांस

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (न्यूज चैनल) एक चौंकाने और हैरान करने वाली घटना सामने आ रही है। दरअसल, केरल एक्सप्रेस मंगलवार को उत्तर प्रदेश के ललितपुर में टूटे हुए ट्रैक पर दौड़ गई। हालांकि, सौभाग्य से ट्रेन एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। ट्रेन तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, ललितपुर में स्थानीय रेलवे प्रशासन की गलती के कारण ट्रेन क्षतिग्रस्त ट्रैक पर दौड़ गई। जब ट्रेन आ रही थी तो रेलवे स्टाफ ट्रैक पर काम कर रहा था। उन्होंने लाल झंडी दिखाई लेकिन जब तक लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाए, तब तक तीन डिब्बे ट्रैक के क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजर चुके थे। बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, जब ट्रेन झांसी पहुंची तो यात्री ट्रेन से उतर गए और हंगामा करने लगे। हाल के सप्ताहों में ट्रेनों को पटरी से उतारने और दुर्घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें तेजी से बढ़ी हैं। अकेले यूपी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। 28 सितंबर को महोबा जिले के मानिकपुर रेलवे लाइन के बांदा-महोबा रेलवे ट्रैक पर ट्रेड हुए खंभे का एक टुकड़ा रख दिया गया था। सतर्क लोको पायलट द्वारा समय पर आपातकालीन ब्रेक लगाने के कारण दुर्घटना टल गई। उसी दिन यूपी के बलिया में रेलवे ट्रैक पर कुछ शरारती तत्वों ने एक बड़ा पत्थर रख दिया था।

56 साल पुराना विमान हादसा 4 सैनिकों के मिले शव

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग पास से 4 शव बरामद होने पर सनसनी फैल गई। बता दें कि यह शव 1968 में हुए एक विमान दुर्घटना में शहीद हुए जवानों के हैं। यह दुर्घटना एंटोनोव-12 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के क्रैश होने के कारण हुई थी, जिसकी वजह खराब मौसम बताई गई थी। पिछले 56 सालों से जारी इस सर्च ऑपरेशन में यह अब तक के शवों की खोज का सबसे लंबा अभियान है। 7 फरवरी 1968 को ह-12 मिलिट्री एयरक्राफ्ट ने 102 जवानों के साथ चंडीगढ़ से उड़ान भरी थी। खराब मौसम के कारण विमान रोहतांग ला के पास क्रैश हो गया था।

दुःखद विमान हादसे का मंजर फिर से जीवित

बर्फ से ढका यह क्षेत्र बेहद कठिनाई भरा है, जिससे शवों की तलाश में बाधाएं आई हैं। 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के माउंटेनियर्स ने मलबे की खोज की थी। इसके बाद से सेना ने इस स्थान पर कई सर्च ऑपरेशन चलाए, जिनमें 2005, 2006, 2013 और 2019 शामिल हैं। 2019 में भी 5 शव बरामद हुए थे। डोगरा स्काउट्स ने तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू के सहयोग से रोहतांग ला में चंद्रभागा एक्सपीडिशन शुरू किया है। प्राप्त शवों में से 3 की पहचान मेसे एक आर्मी मेडिकल कॉर्प के सिपाही नारायण सिंह, पायरनीर कॉर्प के सिपाही मलखान सिंह, और थॉमस चरण। चौथे शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, क्योंकि उसके दस्तावेजों पर लिखी जानकारी मिट चुकी है। आर्मी ऑफिसर के अनुसार, चंद्रभागा एक्सपीडिशन 10 अक्टूबर तक चलेगा। 1968 में शहीद हुए जवानों के परिजन कई वर्षों से उनके लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और इस सर्च ऑपरेशन से उन्हें सांत्वना मिलने की उम्मीद है। इस दौरान अन्य शवों की खोज की संभावना भी बनी हुई है।

साय सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार की दो योजनाओं का बदला नाम

रायपुर, 1 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ सरकार ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में चल रही दो योजनाओं का नाम बदल दिया है. ये योजनाएं नगरीय प्रशासन विभाग से जुड़ी हुई हैं. अब राजीव गांधी स्वावलंबन योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजना और राजीव गांधी आजीविका केंद्र योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय आजीविका केंद्र योजना रखा गया है। यह आदेश

राजीव गांधी की जगह दीनदयाल उपाध्याय को दिया स्थान

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी किया गया है. 18 सितंबर को जारी किए गए इस आदेश के तहत सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के नाम से चल रही योजनाओं के नाम में यह बदलाव किया है। गौरतलब है कि 2018 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद लगभग आधा दर्जन योजनाओं के नाम बदले गए थे. जिसके बाद अब साय सरकार ने दो योजनाओं के नाम में बदलाव किया है।

पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों ने पहली बार किया अपने मत का प्रयोग

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (न्यूज चैनल) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण के तहत वोटिंग जारी है। चुनाव के इस चरण में जम्मू-कश्मीर के सात जिलों में 40 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। विधानसभा सीटों पर सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शुरू हुआ। मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें दिखीं।

जम्मू-कश्मीर में दोपहर 12 बजे तक पड़े 28 फीसदी वोट

दोपहर 12 बजे तक 28 प्रतिशत वोट पड़े हैं।

केंद्र शासित प्रदेश के 39.18 लाख से अधिक मतदाता 415 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे। इन उम्मीदवारों में दो पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद और मुजफ्फर बेग भी शामिल हैं। वहीं पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहली बार वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए जश्न मना रहे हैं।

पैक्स सहकारी समितियां करेगी मिनी राइस मिल का संचालन

रायपुर, 1 अक्टूबर। अब पैक्स सहकारी समितियां जिले में संचालित मिनी राइस मिल का संचालन करेगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के समन्वयक एन. आर. के. चंद्रवंशी उपायुक्त सहकारिता ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। जिसमें सहकार से समृद्धि संकल्पना संबंधी कार्य को देखते हुए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मिनी राइस मिल स्थापित करने के लिए पिपरौद एवं रींवा समिति का चयन किया गया। इसी क्रम में विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अन्न भंडारण योजना के तहत 1000 मी. टन गोदाम निर्माण के लिए तिल्दा, धरसींवा एवं अभनपुर समिति का चयन किया गया। अब पैक्स समितियां ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजना के तहत जल आपूर्ति का संचालन एवं संधारण कार्य करेगी। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में वृहत्ताकार सहकारी समिति मर्यादित,

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली जिला सहकारी विकास समिति की बैठक

सारागांव के कार्यक्षेत्र में आने वाले ग्राम पंचायत निलजा का चयन किया गया। जिले के 5 पैक्स सारागांव, तिल्दा, भानसोज, चपरीद, एवं तोरला समितियों को पूर्व में ही जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए भारत सरकार के पीएमबीआई से प्रारंभिक अनुमोदन लिया गया है। इसके संचालन के लिए जम्मू कश्मीर मॉडल अपनाते हुए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्यवाही करने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर सुअनुपमा आनंद समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली और लद्दाख से खत्म हो एलजी राज : आतिशी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (न्यूज चैनल) दिल्ली की सीएम आतिशी एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मिलने बवाना पुलिस स्टेशन पहुंचीं। हालांकि, आतिशी का दावा है कि सोनम वांगचुक से उन्हें मिलने नहीं दिया गया है। आतिशी ने कहा कि लद्दाख के लोग राज्य का दर्जा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बापू की समाधि के दर्शन करने जा रहे सोनम वांगचुक और लद्दाख के लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने मुझे सोनम वांगचुक से मिलने नहीं दिया। ये बीजेपी की तानाशाही है। हम सोनम वांगचुक का पूरा समर्थन करते हैं।

बवाना थाने पहुंचीं सीएम का आरोप- मुझे सोनम वांगचुक से मिलने तक नहीं दिया

आप नेता ने साफ तौर पर कहा कि लद्दाख में एलजी शासन खत्म होना चाहिए और उसी तरह दिल्ली में भी एलजी शासन खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन पुलिस अधिकारियों को एलजी साहब का फोन आया होगा कि चुनी हुई सरकार के प्रतिनिधि, दिल्ली के सीएम को सोनम वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए और दिल्ली को भी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए और दिल्ली को भी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। दिल्ली सीएम ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार लोकतंत्र की हत्या करने, वोट देने का अधिकार छीनने में कोई कसर नहीं छोड़ती। उन्होंने सवाल किया कि उन्हें क्यों गिरफ्तार किया गया? मुझे उनसे मिलने से क्यों रोका जा रहा है? क्योंकि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र से डरती है और आज मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि अगर भारतीय जनता पार्टी की ऐसी ही तानाशाही चलती रही तो लद्दाख में एलजी शासन खत्म होगा,

बेहतर मानसून से जिले के चारों बांधों में है पर्याप्त पानी

गंगरेल में 85, मुरुमसिल्ली-दुधावा में 98 प्रतिशत जल भराव

धमतरी, 1 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। इस साल बेहतर मानसून का असर रहा कि धमतरी जिले के सभी बांध लबालब हुए। कई बार बांधो से पानी छोड़ने की नौबत भी आई। नहर से भी किसानों को लगातार पानी दिया गया। गंगरेल बांध में जल भराव की स्थिति अच्छी है बांध की जल संग्रहण क्षमता 32.150 टीएमसी है। वर्तमान में बांध में 85 प्रतिशत पानी लगभग 28.126 टीएमसी पानी है। बांध में आवक 3770 क्यूसेक प्रतिसेकण्ड है। वहीं बांध से 6548 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार मुरुमसिल्ली बांध की क्षमता 5.839 टीएमसी की है। वर्तमान में 5.718 टीएमसी पानी बांध में है। बांध में 98 प्रतिशत भरा हुआ है। बांध में 376 क्यूसेक पानी की आवक है। और इतना ही पानी डिस्चार्ज हो रहा है। दुधावा बांध की जल संग्रहण क्षमता 10.192 टीएमसी है। यहां 10.032 टीएमसी पानी भरा हुआ है। बांध में 98 प्रतिशत जल भराव है। आवक 1037 क्यूसेक है। जबकि जावक 1870 क्यूसेक पानी है। इसी प्रकार सोंदुर बांध की जल संग्रहण क्षमता 6.995 टीएमसी है। पानी में 6.342 टीएमसी पानी है। बांध में आवक 234 क्यूसेक पानी बना हुआ है और इतना ही पानी डिस्चार्ज हो रहा है।

जिले में हुई 94.6 प्रतिशत औसत वर्षा, बेलरगांव में हुई सर्वाधिक वर्षा

धमतरी जिले में इसी बार उम्मीद के अनुरुप औसत वर्षा हुई है। जिले में पिछले 10 वर्षो से औसत के अनुसार 1094.3 मिमी. वर्षा होती है इस वर्षा 1035.5 मिमी. वर्ष हुई है। इस प्रकार जिले में 94.6 प्रतिशत वर्षा हुई है। इसे सामान्य माना जाता है। यदि तहसीलवार वर्षा के बारे में चर्चा की जाए तो धमतरी तहसील में 1010.5, कुरुद में 911.8, मगरलोड में 787.4, नगरी में 1289.8, भखारा में 822.4, कुकरेल में 1087.8, बेलरगांव तहसील में 1338.5 वर्षा 1 जून से 30 सितम्बर तक दर्ज की गई है। इस प्रकार जिले में सबसे कम वर्षा मगरलोड तहसील में व सबसे अधिक वर्षा बेलरगांव तहसील में हुई है।